

D

(Printed Pages 4)

(21223)

Roll No.

LL.M.-I Sem.

L-48

LL.M. Examination, Dec.-2023
Legislative Oughts, Interpretation
and Judicial Process
(L-1003)

Time : Three Hours]

[Maximum Marks : 70

Note : Attempt any **five** questions out of the following **ten** questions. Each question carries equal marks. Answer is required in detail.

निम्नलिखित दस प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रत्येक प्रश्न समान अंकों का है। विस्तृत उत्तर अपेक्षित है।

1. "The public good ought to be the object of the legislators, General utility ought to be the foundation of his reasonings."- Bentham 14
Explain. Also cite examples.

P.T.O.



“विधायकों का उद्देश्य जनता की भलाई होनी चाहिए, उनकी तार्किकता का आधार सामान्य उपयोगिता होना चाहिए।”- बेंथम

उदाहरणों सहित समझाइए।

2. "The principle of utility subjects everything to the two motives i.e. pleasure & pain."-

Bentham

14

Explain in detail with examples.

“उपयोगिता का सिद्धांत हर वस्तु को दो उद्देश्यों (कसौटियों) पर तौलता है यानी सुख और दुख की कसौटी पर” -बेंथम

विस्तार से उदाहरणों के माध्यमों से समझाइये।

3. "The foundation of democratic state is the respect for public opinion." In the light of this explain the relationship between law and public opinion.

14

“लोकमत का सम्मान प्रजातांत्रिक राज्य की आधारशिला है।” इस के आलोक में विधि तथा लोकमत के बीच संबंध को समझाइए।

L-48/2

4. What do you mean by interpretation?
With the help of decided cases discuss
the utility of interpretation during the
judicial process. 14

निर्वचन से आप क्या समझते हैं? निर्णीत वादों के माध्यम
से न्यायिक प्रक्रिया के दौरान निर्वचन की उपयोगिता की
विवेचना करें।

5. Discuss in detail the external aids of
interpretation with the help of decided
cases. 14

निर्णीत वादों की मदद से निर्वचन के बाह्य सहयोगियों
की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

6. "No doubt, all penal statutes are to be
construed strictly." -J. James 14

Discuss in detail with illustrations.

"निस्संदेह सभी दंडिक कानूनों का कड़ाई से पालन
होना चाहिए।" -जे. जेम्स

सोदाहरण विस्तृत व्याख्या करें।

7. Write short notes on: 7×2
- (a) Mischief rule of interpretation
- (b) Ejusdem genesis rule
- इन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें-
- (a) निर्वचन का रिष्टि का नियम
- (b) सजाति अर्थान्वयन का सिद्धांत
8. Discuss the relationship between law & justice. Also explain 'Dharma' as the foundation of legal ordering. 14
- न्याय तथा विधि के बीच के संबंध की विवेचना कीजिए।
विधिक आदेशिकाओं के आधार के तौर पर, धर्म की व्याख्या भी करें।
9. Discuss judicial activism in detail. 14
- न्यायिक सक्रियता की विस्तृत व्याख्या करें।
10. Write an essay on new challenges before the Indian Judiciary. 14
- भारतीय न्यायपालिका के समक्ष नयी चुनौतियों पर एक निबंध लिखें।

L-48/4